श्रीगुरुमाई के जन्मदिवस २०१९ के उपलक्ष्य में सिद्धयोग प्रार्थना

समुद्र सहस्रों सूर्यकिरणों के प्रकाश को प्रतिबिम्बित करता है।

उसी प्रकार, यह विश्व मेरे श्रीसद्गुरु की प्रभा को प्रतिबिम्बित करता है।

चितिमरीचि [चिति की किरणें] सर्वत्र तथा हर वस्तु में प्रभासित हैं।

मेरा मन प्रशान्त है।

यह एक भ्रमर के समान, हृदय-कमल में आनन्द से विश्रान्त है।

चिति के इस दिव्य विलास में जो स्वयं प्रेमस्वरूप ही हैं,

उन श्रीसद्गुरु को मैं प्रणाम करता हूँ।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।